

## Vindeshwari Chalisa in Hindi

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।  
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

### ॥दोहा॥

नमो नमो विन्ध्येश्वरी, नमो नमो जगदम्ब। सन्त जनों के काज में करती नहीं विलम्ब ॥

जय जय जय विन्ध्याचल रानी। आदि शक्ति जग विदित भवानी ॥

सिंहवाहिनी जय जगमाता। जय जय जय त्रिभुवन सुखदाता ॥

कष्ट निवारिणी जय जग देवी। जय जय सन्त असुर सुर सेवी ॥

महिमा अमित अपार तुम्हारी। शेष सहस मुख वर्णत हारी ॥

दीनन के दुख हरत भवानी। नहिं देख्यो तुम सम कोउ दानी ॥

सब कर मनसा पुरवत माता। महिमा अमित जगत जो जन ध्यान विख्याता ॥

सो तुरतहिं वांछित फल तुम्हारो लावै । तू ही वैष्णवी तू ही रुद्रानी ॥

तू ही शारदा अरु रमा राधिका श्यामा काली। तू ही मातु सन्तन उमा माधवी चण्डी ज्वाला ॥

बेगि मोहि पर होहु पावै ॥ ब्रह्माणी ॥ प्रतिपाली ॥ दयाला ॥

तू ही हिंगलाज महारानी। तू ही शीतला अरु विज्ञानी ॥

दुर्गा दुर्ग विनाशिनी माता। तू ही लक्ष्मी जग सुख दाता ॥

तू ही जाह्नवी अरु उत्राणी। हेमावती अम्ब निरवाणी ॥

अष्ट भुजी वाराहिनी देवा । करत विष्णु शिव जाकर सेवा ॥

चौसट्टी देवी कल्यानी। गौरी मंगला सब गुण खानी ॥

पाटन मुम्बा दन्त कुमारी। भद्रकालि सुन विनय हमारी ॥

वज्र धारिणी शोक नाशिनी। आयु रक्षिणी विन्ध्यवासिनी ॥

जया और विजया बैताली। मात संकटी अरु विकराली ॥

नाम अनन्त तुम्हार भवानी। बरनै किमि मानुष अज्ञानी ॥  
जापर कृपा मात तव होई। तो वह करै चहै मन जोई ॥  
कृपा करहु मो पर महारानी। सिद्ध करिए अब यह मम बानी ॥  
जो नर धेरै मात कर ध्याना। ताकर सदा होय कल्याना ॥  
विपति ताहि सपनेहु नहिं आवै। जो देवी का जाप करावै ॥  
जो नर कहं ऋण होय अपारा। सो नर पाठ करे शतबारा ॥  
निश्चय ऋण मोचन होई जाई। जो नर पाठ करे मन माई ॥  
अस्तुति जो नर पढै पढावै। या जग में सो अति सुख पावै ॥  
जाको व्याधि सतावे भाई। जाप करत सब दूर पराई ॥  
जो नर अति बन्दी महं होई। बार हजार पाठ कर सोई ॥  
निश्चय बन्दी ते छुटि जाई। सत्य वचन मम मानहु भाई ॥  
जापर जो कछु संकट होई। निश्चय देविहिं सुमिर सोई ॥  
जा कहं पुत्र होय नहिं भाई। सो नर या विधि करे उपाई ॥  
पाँच वर्ष सो पाठ करावे। नौरातन में विप्र जिमावे ॥  
निश्चय होहिं प्रसन्न भवानी। पुत्र देहिं ताकहँ गुणखानी ॥  
ध्वजाय नारियल आन चढ़ावे। विधि समेत पूजन करवावे ॥  
नित्य प्रति पाठ करे मन लाई। प्रेम सहित नहिं आन उपाई ॥  
यह श्री विन्ध्याचल चालीसा। रंक पढ़क होवे अवनीसा ॥  
यह जनि अचरज मानहुँ भाई। कृपा दृष्टि जापर हुई जाई ॥  
जग जय जय जग मात भवानी। कृपा करहु मोहिं पर जन जानी ॥

**॥ बोलो अम्बे माँ की जय ॥**

**॥ बोलो साजे दरबार की जय ॥**

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

॥ हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

॥ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

॥ हर हर हर महादेव शिव शम्भो शंकर ॥